केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
सैकण्डरी स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)
परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरें

विषय Subject : Social Science

विषय कोड Subject Code : 087

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : Friday 29-03-19

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : Hindi

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाएं : Write code No. as written on the top of the question paper :	Code Number	Set Number
	32/1/3	① ② ● ④

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओं) की संख्या
No . of supplementary answer -book(s) used

विकलांग व्यक्ति : हाँ / नहीं
Person with Disabilities : Yes / No — No

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो संबंधित वर्ग में ✓ का निशान लगाएं।
If physically challenged, tick the category

B	D	H	S	C	A

B = दृष्टिहीन, D = मूक व बधिर, H = शारीरिक रूप से विकलांग, S = स्पास्टिक
C = डिस्लेक्सिक, A = ऑटिस्टिक
B = Visually Impaired, D = Hearing Impaired, H = Physically Challenged
S = Spastic, C = Dyslexic, A = Autistic

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं
Whether writer provided : Yes / No — —

यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये सॉफ्टवेयर का नाम :
If Visually challenged, name of software used :

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।
Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

कार्यालय उपयोग के लिए
Space for office use

2718639
087 / 20268

Instructions to Candidates

1. Make sure that the answer-book contains [illegible] pages and are properly sealed [illegible] pages, as soon as you receive it.
2. DO NOT make any special sign or mark in or outside the answer-book, supplementary answer-book, graph paper, map etc.
3. DO NOT write [illegible] name of your school or place [illegible]
4. [illegible] the supplementary answer-book [illegible]
5. [illegible] both sides [illegible] margin.
6. [illegible] the pages of the answer-book and do not leave any page blank unnecessarily. No supplementary answer-book(s) should be asked [illegible] the answer book / the previous supplementary answer-book is [illegible].
7. Number your answers according to their numbers in the question paper.
8. Draw a line when a question (or a part thereof) is finished.
9. [illegible] your answer-book with supplementary answer-book, graph-paper, map etc. if used by you, but DO NOT write your Roll No. on the supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
10. Use only blue-black or royal-blue ink/gel/ball point pen. Using of any other writing instrument/ink/pencil etc will be on your own risk and responsibility.
11. For rough calculation etc., appropriate margin on the right-hand side of the page may be drawn. The rough calculations etc. should be crossed out afterwards.
12. DO NOT leave the examination hall without handing over the answer-book to the Invigilator.
13. If during the course of examination, a candidate is found indulging in any of the following, he/she shall be deemed to have used unfair means at the examinations, and as such his/her result shall not be declared but shall be marked as UNFAIR MEANS (U.F.M.) :-
    - (a) having in possession papers, books, notes or any other material or information relevant to the examination in the paper concerned;
    - (b) giving or receiving assistance directly or indirectly of any kind or attempting to do so;
    - (c) writing questions or answers on any material other than the answer-book given by the Centre Superintendent for writing answers;
    - (d) tearing of any page of the answer-book or supplementary answer-book;
    - (e) contacting or communicating or trying to do so with any person, other than the Examination Staff, during the examination time in the examination centre;
    - (f) taking away the answer-book out of the examination hall/room;
    - (g) using or attempting to use any other undesirable method or means in connection with the examination;
    - (h) smuggling out Question Paper or its part or smuggling out answer-book or supplementary answer-sheet or part thereof; and
    - (i) threatening any of the officials connected with the conduct of the examinations or threatening of any of the candidates.

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
Central Board of Secondary Education, Delhi

SECONDARY SCHOOL EXAMINATION (CLASS X)

सैकण्डरी स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)

Q. No.	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	TOTAL
MARKS	1	1	1	1	1	1	1	3	3	3	16

Q. No.	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	TOTAL
MARKS	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	34

Q. No.	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	TOTAL
MARKS	5	5	5	5	5	5					30

Q. No.	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	TOTAL
MARKS											80

	GRAND TOTAL	80
MARKS IN WORDS	Eighty only	

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तर पुस्तिका का मल्यांकन उचित प्रश्नपत्र के सेट और अंकन योजना के अनुसार किया है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उत्तर पुस्तिका के अन्दर कोई

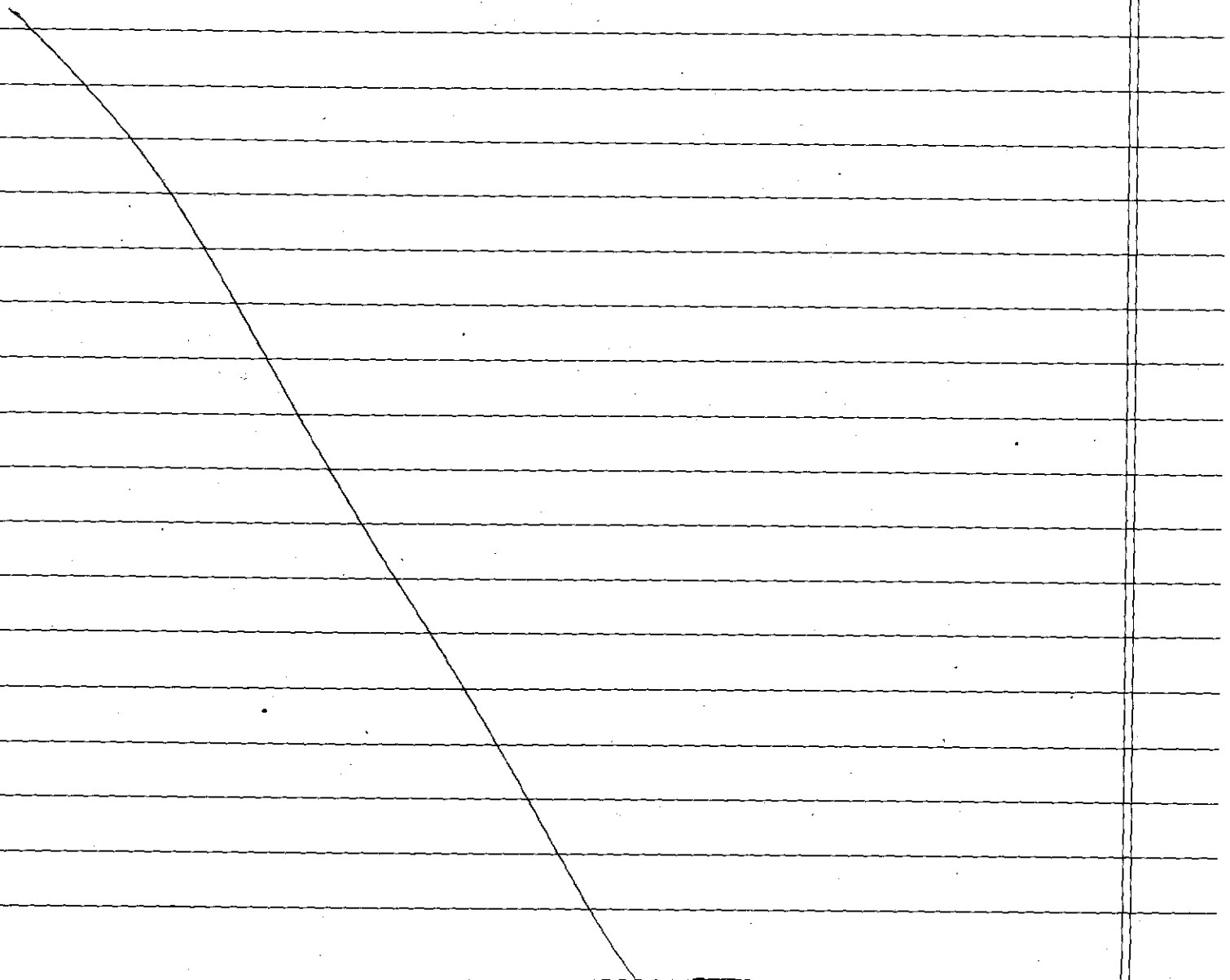

Map for Q. No. 26
नक्शा प्रश्न संख्या 26 के लिए

Roll no. → [redacted]

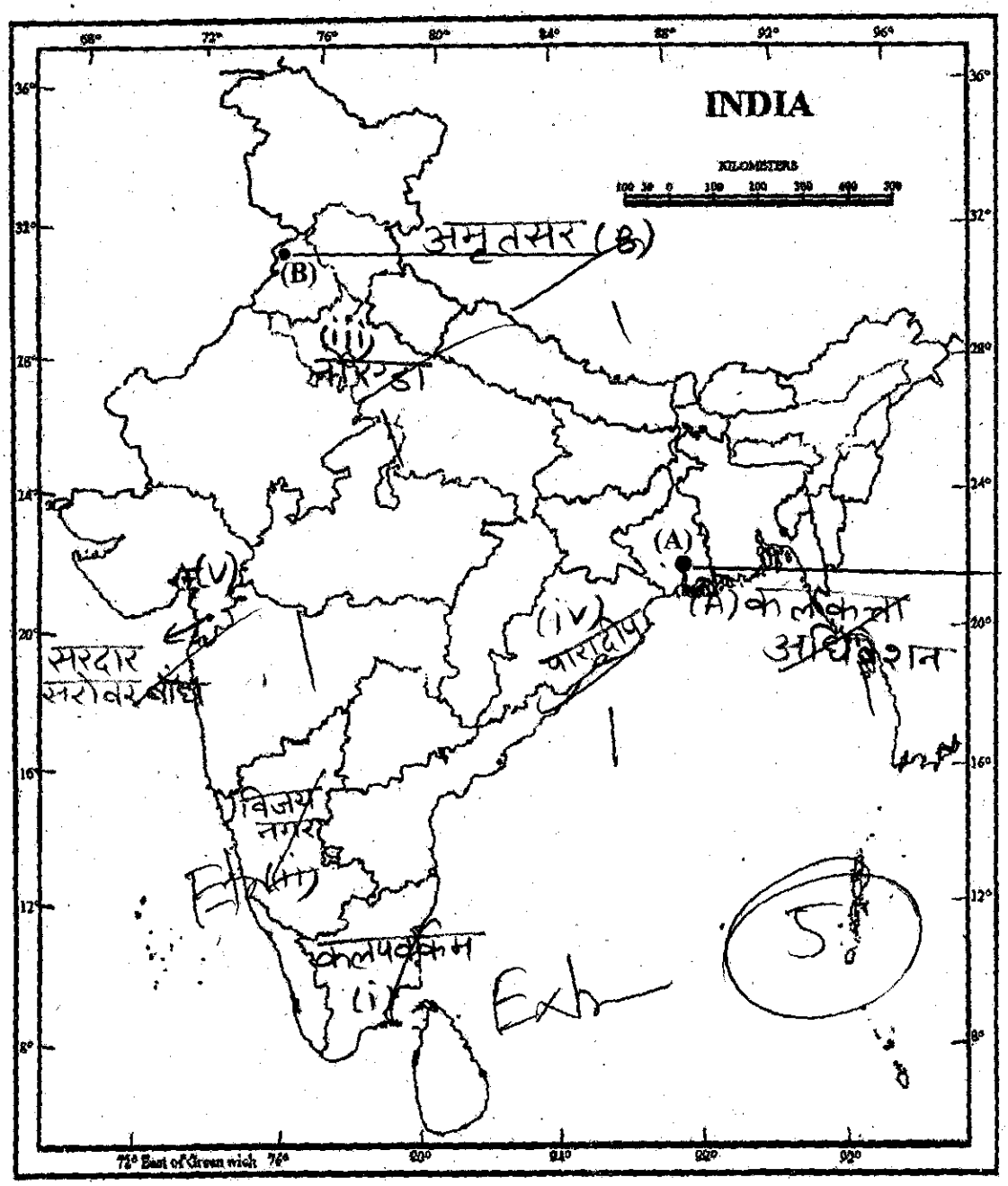

खण्ड - क उ० 1

चीन में हाथ से छपाई की तकनीक पहले से ही मौजूद थी। रेशम मार्ग के रास्ते यह तकनीक जापान पहुँची और वहाँ भी हाथ से छपाई की तकनीक प्रारंभ हो गई।

उ० 2

19 वीं शताब्दी के दौरान यूरोप में आर्थिक क्षेत्र में उदारवाद बाज़ारों की मुक्ति चाहता था। वे व्यापार पर किसी भी तरह के प्रतिबंधों का निषेध चाहते थे।

उ० 3

ग्रामीण मज़दूरों (भूमिहीन) के लिए विकास का लक्ष्य हो सकता है कि उन्हें उचित मज़दूरी मिले।

उ० 4

राजनीतिक दलों द्वारा वंशवाद को बढ़ावा न देकर लोकतांत्रिक सुधार किए जा सकते हैं।

उ० 5

सीमेंट उद्योग से बहुत अधिक मात्रा में वायुमंडल में धूल विसर्जित होती है जब इसकी परत भूमि पर जम जाती है तब भूमि की जल सोखने की क्षमता समाप्त हो जाती है। अतः सीमेंट उद्योग भू-निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी है।

1

उ० 6

प्राथमिक क्षेत्रक- इस क्षेत्रक में प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग कर वस्तु निर्माण होता है।
इसे कृषि एवं सहायक क्षेत्रक भी कहते हैं।

2

तृतीयक क्षेत्रक - यह क्षेत्रक अन्य क्षेत्रकों के विकास में योगदान देता है।
~~इसमें~~ इस क्षेत्रक में वस्तु निर्माण नहीं होता।

2

1

उ० 7

भारत में औपचारिक क्षेत्रक ऋण की शर्तें अनौपचारिक क्षेत्रक ऋण की अपेक्षा कर्ज़दार के

लिए अधिक अनुकूल होती हैं अतः यह महत्त्वपूर्ण है।
औपचारिक ऋण की ब्याज की दरें भी कम होती हैं।

खण्ड - ख

उ० 8

रबी शस्य ऋतु की विशेषताएँ :-

1) फसलों की बुआई अक्टूबर से दिसंबर के मध्य होती है।
2) फसलों की कटाई अप्रैल से जून के मध्य होती है।
3) फसलों को पकने के समय खिली धूप की आवश्यकता होती है।
4) उत्तर तथा उत्तर पश्चिमी भारत, रबी की फसलों के लिए अधिक अनुकूल है।
5) फसलें - चना, गेहूँ, मटर, सरसों आदि रबी ऋतु की फसलें हैं।

उ० 9

नेपोलियन की संहिता को फ्रांसीसी नियंत्रण के अधीन क्षेत्रों में निम्न प्रकार से लागू किया गया-

1) नेपोलियन ने प्रशासनिक विभाजनों को सरल बनाया।
2) भू-दासत्व और जागीरदारी शुल्कों को समाप्त किया।

3) संपत्ति के अधिकार को सुनिश्चित किया।
4) नाप-तौल व भार की एक-समान प्रणाली लागू की।
5) पादरी वर्ग के विशेषाधिकारों को समाप्त किया।
6) कानून के समक्ष सबको बराबरी का अधिकार दिया।

उ०10

चीनी राजतंत्र लंबे समय तक मुद्रित सामग्री का सबसे बड़ा उत्पादक बना रहा क्योंकि -
1) मुद्रण तकनीक सबसे पहले चीन में विकसित हुई।
2) चीन की नौकरशाही के लिए परीक्षा होती थी। जिसमें भाग लेने वालों की संख्या बढ़ी।
3) इस परीक्षा के लिए मुद्रित किताबें छपती थी। परीक्षार्थियों की संख्या बढ़ने से किताबों की संख्या बढ़ी।
4) विभिन्न वर्गों और विभिन्न विषयों पर किताबें छपने लगीं।
5) महिलाएँ भी पाठक वर्ग की श्रेणी में थी जो लेखन

कार्य में भी संलग्न थी।
6) यहाँ व्यापारियों के कारोबार - संबंधी पत्रिकाएँ भी छपती थीं।

उ० 11

जल दुर्लभता के प्रभाव:-
1) मूलभूत ज़रूरतों (खाना बनाने, पाना पीने) के लिए भी जल उपलब्ध नहीं होगा।
2) जल के अभाव में फसलें नहीं उगेंगी।
3) फसलों के अभाव में कोई भी जीव जीवित नहीं रहेगा।
4) सूखे की समस्या आम हो जाएगी जिसके चलते धरती से जीवन समाप्त हो जाएगा।
अत: जल दुर्लभता के कारण पहचानकर, जल के संरक्षण के उपाय करना हमारी आवश्यकता है।

उ० 12

पर्यावरण में गिरावट के कारण हैं- संसाधनों का
1) अत्यधिक प्रयोग (2) मनुष्यों की गतिविधियों के कारण

→

फैलने वाला प्रदूषण।

2) पर्यावरण गिरावट का असर पूरे विश्व में देखने को मिलता है।

3) उदाहरण के तौर पर विश्व का तापमान पहले की तुलना में बढ़ता जा रहा है।

4) कोई भी क्षेत्र पर्यावरण निम्नीकरण के प्रभावों से वंचित नहीं है।

अतः हम कह सकते हैं कि पर्यावरण में गिरावट के परिणाम राष्ट्रीय और राज्य सीमाओं का ख्याल नहीं करते।

उ० 13

भारत में तृतीयक क्षेत्र के महत्वपूर्ण होने के कारण निम्नलिखित हैं:-

1) शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सेवाएँ उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है। इसके लिए संस्थानों की स्थापना आवश्यक है

2) प्राथमिक तथा द्वितीयक क्षेत्रकों के विकास से बीमा, बैंकिंग, परिवहन तथा भंडारण की माँग

में वृद्धि होती है जो तृतीयक क्षेत्रक के अंतर्गत आती हैं।
3) जब आर्थिक विकास होता है तब लोग निजी हस्पताल, निजी शिक्षा संस्थान, शॉपिंग मॉल आदि की मांग करने लगते हैं।
4) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में भी रोज़गारों का सृजन हो रहा है।
अतः इस प्रकार सेवा क्षेत्रक महत्वपूर्ण हो रहा है।

उ० 5

विपक्षी राजनीतिक दलों के कार्य निम्नलिखित हैं-
1) शासक दल की कमियों को जनता के सामने लाना।
2) अनुचित कानूनों की आलोचना करना।
3) सरकार के विरुद्ध प्रदर्शनों में जनता का प्रतिनिधित्व करना।
4) विपक्षी दल शासक दल को मनचाहे ढंग से शासन चलाने से रोकते हैं।
5) स्वस्थ राजनीति के लिए अथवा वैध शासन व्यवस्था में विपक्षी दल एक आवश्यक लक्षण है।

उ० 15

उदाहरण- रेज़ी एक विद्यार्थी है।
उसे पथरी का ऑपरेशन करवाना था।
उसके पिता एक निजी अस्पताल से उसका
ऑपरेशन करवाते हैं।
परंतु डॉक्टरों द्वारा गलत तरीके से बेहोश करने की
वजह से रेज़ी जीवन भर के लिए अपंग हो गया।
उसके पिता ने हस्पताल पर लापरवाही के लिए
उपभोक्ता अदालत में मुकद्मा दायर किया।
हस्पताल दोषी पाया गया और उसके पिता को
हरजाने के तौर पर ₹ 50,000 दिए गए।
इस प्रकार उन्होंने अपने क्षतिपूर्ति निवारण के
अधिकार का उपयोग किया।
हम भी नुकसान की स्थिति में इसी प्रक्रिया द्वारा
क्षतिपूर्ति निवारण के अधिकार का इस्तेमाल कर
सकते हैं।

उ० 16

सामाजिक विभाजन निम्न प्रकार से राजनीति को प्रभावित करते हैं :-

1) हम देखते हैं कि जब लैंगिक विभाजन की राजनीति में अभिव्यक्ति होती है तब वंचित समूह को लाभ मिलता है। यहाँ विभाजन की राजनैतिक अभिव्यक्ति सकारात्मक है।

2) धार्मिक विभाजन राजनीति में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव डालते हैं।
नकारात्मक प्रभाव - सांप्रदायिकता।
सकारात्मक प्रभाव - विभिन्न धर्मों को सरकार में उचित प्रतिनिधित्व दिया जाता है।] X

3) जातिगत विभाजन राजनीति में नकारात्मक तथा सकारात्मक दोनों तरह से प्रभाव डालते हैं
(a) नकारात्मक प्रभाव - सरकार में अपनी जाति के प्रभुत्व की इच्छा रखना।
(b) सकारात्मक → पिछड़ी जातियों को उचित प्रतिनिधित्व मिल जाता है। वे सबल बनती हैं।

उ० 7

1) हम पाते हैं कि माध्यमिक शिक्षा परिणामों में लड़कियाँ लड़कों से बेहतर प्रदर्शन करती हैं।
2) परंतु उच्च शिक्षा में दाखिला लेने वाली लड़कियों की संख्या अभी भी कम है क्योंकि माँ-बाप अपने संसाधन लड़कियों की बजाय लड़कों पर खर्च करना पसंद करते हैं।
3) उच्च पदों और अधिक वेतनभोगी महिलाओं की संख्या अभी भी कम है।
4) प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं को पुरुषों से कम वेतन दिया जाता है। भले ही उन्होंने बराबर कार्य किया हो।

अतः भारत में आजादी के बाद से महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है, परंतु अभी भी वे पुरुषों से काफी पीछे हैं।

उ० 8

अनौपचारिक ऋण के स्त्रोतों का कर्जदारों पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव निम्नलिखित हैं:-

अधिक ब्याज दर।

1) अनौपचारिक ऋणदाताओं पर नज़र रखने वाली कोई संस्था
2) नहीं है।
ये मनचाहे ढंग से ऋण वसूल करते हैं।
3) ये ऋण देते समय कुछ शर्तें भी रख सकते हैं।
4) यह ऋण कर्ज़दारों के लिए कष्टदायक सिद्ध होता है।
5) कर्ज़दार ऋण जाल में फँस जाते हैं।
6) कर्ज़दाता उनसे बुरा व्यवहार करते हैं।
7) अधिक ब्याज दर के कारण कर्ज़दार ऋण चुकाने में
8) असमर्थ होते हैं।

खण्ड - ग   उ० 19

5 भारत में सड़क परिवहन, रेल परिवहन की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक निम्नलिखित कारणों से है:-

सड़क निर्माण की लागत, रेल निर्माण की लागत से कम
1) है।
सड़क को विच्छिन्न भू-भागों पर भी बनाया जा सकता है।
2) पर्वतों व पहाड़ी क्षेत्रों में भी सड़कों का निर्माण संभव है।
3)

4) अपेक्षाकृत कम सामान, कम व्यक्तियों के परिवहन में सड़कें मितव्ययी हैं।

5) सड़कें घर-घर सेवाएँ उपलब्ध कराती हैं तथा सामान चढ़ाने व उतारने की लागत भी कम है।

6) सड़कें, जल परिवहन तथा वायु परिवहन को जोड़ने का काम करती हैं।

उ० २० (क)

बेल्जियम	श्रीलंका
1) हरियाणा की आधी आबादी के बराबर जनसंख्या है।	1) हरियाणा के बराबर जनसंख्या।
2) 54 फीसदी जनसंख्या डच है। 40 फीसदी फ्रेंच तथा 1 फीसदी जर्मन।	2) 74 फीसदी जनसंख्या सिंहली है। 18 फीसदी तमिल तथा 8 फीसदी ईसाई।
3) डच लोगों को देर से प्राप्त सुविधाएँ हुई। वे ~~असंतोष~~ संतुष्ट नहीं थे।	3) 1956 में कानून बनाकर सिंहलियों को प्राथमिकता दी गई। सिंहली को राजभाषा घोषित किया गया।

→

4) विभिन्न वर्गों में विद्रोह हुआ।	श्रीलंका में गृहयुद्ध की स्थिति बन गई।
5) बेल्जियम में विभिन्नता का आदर किया गया। संघीय व्यवस्था अपनाई गई।	5) तमिलों को सत्ता में साझेदारी नहीं दी गई।
6) संघर्ष समाप्त हुआ।	6) लाखों लोग मारे गए। लोग अपने ही देश में शरणार्थी बन गए।
7) बेल्जियम का मॉडल दूसरों के लिए भी आदर्श बना।	7) संघर्ष समाप्त नहीं हुआ। 8) आर्थिक स्थिति पर इसका बुरा प्रभाव पड़ा।

30 रा

औद्योगिक प्रदूषण:-

1) जल प्रदूषण:- नदियों तथा तालाबों में उद्योगों का अपशिष्ट कचरा डाल दिया जाता है जिससे जल प्रदूषण होता है।

2) जल का तापीय प्रदूषण:- जब गर्म जल को बिना ठंडा किए ही नदियों में डाल दिया है तब जल का तापीय प्रदूषण होता है। इससे जलीय जीवों को नुकसान

पहुँचता है।

3) वायु प्रदूषण :- उद्योगों द्वारा हानिकारक गैसें तथा कणनुमा पदार्थ वायुमंडल में निष्कासित किए जाते हैं। इससे वायु प्रदूषण होता है। यह पौधों तथा प्राणियों सभी के लिए हानिकारक है। उदाहरण- भोपाल गैस त्रासदी।

4) भूमि प्रदूषण :- कूड़ा-करकट, काँच, रसायन आदि भूमि को अनुपजाऊ बना देते हैं। इसे भूमि प्रदूषण कहते हैं।

5) ध्वनि प्रदूषण :- उद्योगों के निर्माण कार्य, जेनेरेटरों, विद्युत ड्रिल ध्वनि प्रदूषण के कारण हैं। इससे रक्त चाप, हृदय गति तथा श्रवण अक्षमता जैसे विकार उत्पन्न होते हैं।

उ० 22

5 सविनय अवज्ञा आंदोलन :- विनम्रता के साथ कानून की अवहेलना करना।
अमीर तथा गरीब किसानों ने अपने-अपने भिन्न

लक्ष्यों के चलते आंदोलन में भागीदारी की -
अमीर किसानों की नकद आय महामंदी के कारण
a) 1) समाप्त हो रही थी।
वे लगान चुकाने की स्थिति में नहीं थे।
2) वे लगान से मुक्ति के लिए आंदोलन का हिस्सा बने।
3) उन्होंने अनिच्छुक लोगों को भी बहिष्कार जैसी
4) गतिविधियों के लिए प्रेरित किया।

b) गरीब किसान पट्टे पर ज़मीन लेकर खेती करते थे।
2) उन्हें बार-बार उनकी ज़मीन से बाहर कर दिया जाता
था जिससे पट्टे की ज़मीन पर उनका अधिकार न
रहे।
3) महामंदी के कारण वे इन ज़मीनों का भाड़ा नहीं चुका
सकते थे। फसल का खराब होना भी उनकी गरीबी
का एक कारण था।
4) उन्होंने अपने भाड़ा विरोधी आंदोलन को सविनय
अवज्ञा आंदोलन से जोड़ दिया।

30/23

बीसवीं शताब्दी के पहले दशक तक भारत में औद्योगीकरण का स्वरूप जिन बदलावों की चपेट में आया वे निम्नलिखित हैं:-

1) सबसे पहले भारतीय उद्योगों में कपड़े की बजाय धागा बनाया जाता था।

2) क्योंकि भारतीय उद्यमी मैनचेस्टर में बने कपड़ों से प्रतिस्पर्धा नहीं करना चाहते थे।

3) स्वदेशी आंदोलन के समय विदेशी कपड़ों का बहिष्कार किया गया तथा स्वदेशी वस्तुओं की माँग बढ़ी।

4) इसी समय चीन के बाज़ार में जापान में बने उत्पाद ज़्यादा बिकने लगे। जिसके कारण चीन को होने वाले धागे के निर्यात में कमी आई।

5) अतः अब भारतीय उद्योगों में कपड़ों का निर्माण होने लगा।

6) प्रथम विश्व युद्ध के कारण भारतीय उद्यमियों को विशाल स्थानीय बाज़ार मिल गया।

ब्रिटेन के उद्योगों में युद्ध संबंधित ~~सामग्री~~ वस्तुएँ बनने लगी।
7) जब युद्ध लंबा खिंचा तो भारतीय कारखानों में भी
8) फौजियों के लिए वर्दी, घोड़े व खच्चर की जीन आदि चीज़े बनने लगी।
9) युद्ध के बाद भारतीय उद्यमी ताकतवर हो चुके थे।

उ० [२५]

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अन्य विकल्पों से बेहतर है क्योंकि -
यह वैध शासन व्यवस्था है।
1) नागरिकों को अपने शासक को चुनने या बदलने का
2) अधिकार होता है।
सरकार को नागरिकों के मौलिक अधिकारों का
3) सम्मान करना होता है।
4) सरकार नागरिकों के प्रति जवाबदेह होती है।
5) प्रेस की स्वतंत्रता, संगठन बनाने का अधिकार, विरोध करने का अधिकार ये सब लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के लक्षण हैं जो इसे अन्य विकल्पों से

→

बेहतर बनाती है।

6) नागरिकों को सरकार की कार्य प्रणाली के बारे में सूचना पाने का अधिकार है।

7) लोकतांत्रिक व्यवस्था में गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है।

8) लोकतंत्र जनता द्वारा, जनता का, जनता के लिए शासन है।

उ० [5]

(5) विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए आर्थिक क्षेत्रों में उपलब्ध सुविधाएँ निम्नलिखित हैं:-

1) बिजली की नियमित आपूर्ति।
2) संचार के साधनों की सुविधा।
3) पानी की उपलब्धता।
4) मनोरंजन तथा शिक्षा संस्थानों की सुविधा।
5) सरकार ने विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को श्रम कानूनों में लचीलेपन की छूट भी दी है।

→

6) इन आर्थिक क्षेत्रों में निवेश करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों को पाँच वर्षों तक किसी प्रकार का कर भी नहीं देना पड़ेगा।
7) परिवहन की सुविधा।
8) पक्की सड़कों की सुविधा।

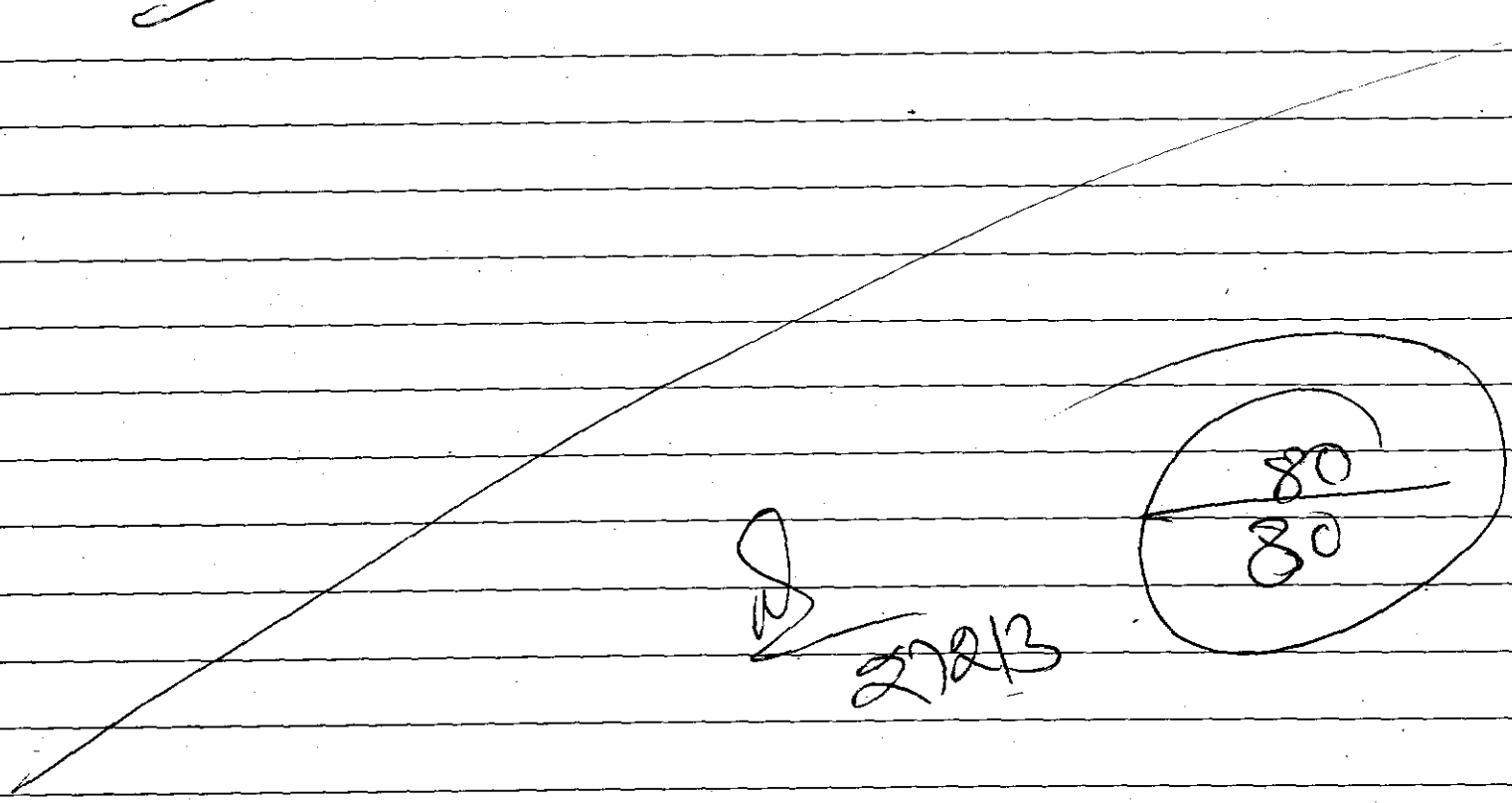

P105

F104